an>

Title: Need to strengthen the functioning of National Child Rights Commission and Human Rights Commission.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं गुमशुदा एवं अनाथ बच्चों के सम्बन्ध में सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। गुमशुदा एवं अनाथ बच्चे आश्रय एवं संरक्षण के अभाव में या तो तस्करी के कामों में लग जाते हैं या भीख मांगने के लिए मजबूर होते हैं या नक्सलवादियों के हाथ का खिलौना बन जाते हैं। देश के किसी न किसी अखबार में आये दिन बच्चों के लापता होने की खबरें छपती रहती हैं। देश भर में लगभग 800 निरीह बच्चों की तस्करी के काम में लगे हुए हैं। औसतन लगभग हर घंटे में एक बच्चा देश के किसी न किसी कोने से लापता हो रहा है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश में लगभग 44 हजार बच्चे हर साल लापता हो जाते हैं, जिनमें से सिर्फ 11 हजार बच्चों का ही पता चल पाता है। वर्ष 2009 से वर्ष 2011 के बीच में लगभग एक लाख सतहत्तर हजार छः सौ साठ बच्चे लापता हुए, जिनमें से एक लाख बाईस हजार एक सौ नब्बे बच्चों का ही पता चल सका है। अभी भी लगभग 55 हजार बच्चे लापता हैं। इनमें भी लगभग 64 प्रतिशत यानी 35, 615 नाबालिग लड़कियाँ हैं। एक और गंभीर बात है कि अस्पतालों से बच्चों के गायब होने की घटनाओं की संख्या में दिन-ब-दिन वृद्धि होती चली जा रही है। बच्चों की चोरी एवं खरीद-फरोख्त के गैर-कानूनी धंधों के कारण न जाने कितनी माताओं की गोदें सूनी हो जाती हैं और न जाने कितने बच्चों का जीवन बर्बाद हो जाता है। ऐसी बात नहीं है कि इसकी रोकथाम के लिए कानून न बने हों। कानून बने हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन ठीक तरह से नहीं हो पा रहा है। कई बार लोग थाने में रिपोर्ट करने के लिए जाते हैं, लेकिन वहां जो पदस्थ पुलिस का स्टॉफ होता है, उन पुलिस कर्मचारियों को भी इन कानूनों के बारे में जानकारी नहीं होती है और कई बार पुलिसकर्मियों की उदासीनता के कारण बच्चे बरामद नहीं हो पाते हैं।

अतः मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग जैसे आयोगों की सक्रियता बढ़ाने के साथ इस तरह के जो गुमशुदा और अनाथ बच्चे हैं, इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस नीति बनाये जाने की पहल की जाये।

माननीय अध्यक्ष :

श्री राजीव सातव,

श्री पी.पी.चौधरी अपने आपको डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।